

प्रारूप-2.1

परियोजना का नाम :- जनपद टिहरी गढ़वाल के विकास खण्ड भिलंगना में मूलगढ ठेला गण्डराखाल मोटर मार्ग का भेलगढी से पांडवगांव तक विस्तार कार्य । (लम्बाई-6.825 कि०मी०)


प्रतिवेदन


भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आय और उत्पादन रोजगार अवसरों के अधिक मात्रा में सृजन एवं स्थायी रूप से गरीबी निवारण करने के उद्देश्य से पर्वतीय क्षेत्र में आवादी वाली असंयोजित बसावट को किसी भी बाहरमासी सम्पर्क मार्ग से जोड़ने का कार्य सम्मिलित किया गया है। उक्त क्रम में उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या- 2171/III(2)/16-09(एम०एल०ए०)/2016 दिनांक- 19.07.2016 द्वारा स्वीकृति (लम्बाई- 9.50 कि०मी०) हेतु लागत 29.34 लाख प्राप्त हुई।

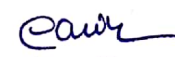
उक्त प्रस्तावित मोटर मार्ग उक्त मोटर मार्ग ठेला-गण्डराखाल मोटर मार्ग के कि०मी०-5.00 (भेलगढी) से समरेखण प्रारम्भ होता है। तथा मन्दार बचनयो गांव को जोड़ते हुये बणतोली में मिलेगी। जिनकी आबादी लगभग 1241 है। प्रस्तावित मोटर मार्ग के निर्माण से ग्रामसभा- मन्दार, बचनयो, बणतोली के ग्रामवासियों को यातायात की सुविधा होगी। उक्त मोटर मार्ग प्रस्तावित स्थालसौड से बणतोली तक मोटर मार्ग में मिलेगी जिससे विकास खण्ड भिलंगना एवं विकास खण्ड कीर्तिनगर की जनता को एक विकास खण्ड से दुसरे विकास खण्ड आने जाने की सुविधा होगी। यह मोटर मार्ग रिंग रोड कार्य करेगा एवं क्षेत्र का चहुमुखी विकास होगा।

उल्लेखनीय है कि पर्वतीय क्षेत्रों में कास्तकारों की नाप भूमि की अतिरिक्त समस्त प्रकार की भूमि को वन भूमि श्रेणी में लिया गया है। इस मार्ग के समरेखण में मार्ग के निर्माण में 4.174 हे० आरक्षित वन भूमि, (मार्ग के निर्माण हेतु 4.084 हे० एवं मलवा निस्तारण हेतु 0.09 हे०) 0.273 हे० सिविल भूमि एवं 0.666 हे० नाप भूमि (मार्ग के निर्माण हेतु 0.540 हे० एवं मलवा निस्तारण हेतु 0.129 हे०) प्रभावित हो रही है जो कि न्यूनतम एवं अप्रिहार्य है वन भूमि हस्तान्तरण करने हेतु वन संरक्षक अधिनियम 1980 के प्राविधानों के अन्तर्गत प्रस्ताव गठित कर प्रेषित किया जा रहा है।

सर्वेक्षण के उपरान्त इस मार्ग के निर्माण हेतु दो समरेखणों पर विचार किया गया है। जिन्हे प्रस्ताव में संलग्न रंगीन गुगल मानचित्र में अलग-अलग रंग से दर्शाया गया है। उक्त को ध्यान में रखते हुये समरेखण नं०-2 को निरस्त कर समरेखण नं०-1 को अनुमोदित किया गया है इन दोनो समरेखणों का भू-वैज्ञानिक द्वारा भी निरीक्षण किया गया है। एवं उनके द्वारा समरेखण नं०-1 को मार्ग निर्माण हेतु तकनीकी, पर्यावरणीय एवं भू-गर्भीय दृष्टि से उपर्युक्त पाया गया है। भू-वैज्ञानिक रिपोर्ट की आख्या की छाया प्रति संलग्न अतः लोक निर्माण विभाग के मानकों के अनुसार आने वाले आरक्षित वन भूमि 4.174 है० व सिविल सोयम भूमि 0.273 है० कुल वन भूमि - 0.666 है० वन भूमि को हस्तान्तरित करने हेतु वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत यह प्रस्ताव गठित कर प्रेषित किया जा रहा है।


कनिष्ठ अभियन्ता,
अ०ख०, लो०नि०वि०, घनसाली


सहायक अभियन्ता,
अ०ख०, लो०नि०वि०, घनसाली


अधिशासी अभियन्ता,
अ०ख०, लो०नि०वि०, घनसाली